

अतिरिक्त भाग

प्रकाशितवाक्य में प्रयुक्त सांकेतिक अंक

- 1 = एक इकाई (केवल एक)
2 (1 + 1) = दृढ़
3 = ईश्वरीय अंक
3½ (7 का आधा) = अधूरा (42 महीने; 1,260 दिन; “एक समय और समयों, और आधा समय” = परीक्षा का 3½ वर्ष का समय, भविष्य की आशा देते हुए)
4 = सृष्टि का अंक (वैश्विक अंक, मनुष्य जाति)
5 (10 का आधा) = सीमित सामर्थ्य
6 (7 - 1) = अपूर्ण (दुष्ट, छल, असफलता)
7 (3 + 4) = पूर्णता (पवित्र सम्पूर्णता)
10 = मानवीय सम्पूर्णता (परिपूर्णता या सामर्थ्य)
12 (3 × 4) = धार्मिक सम्पूर्णता
24 (2 × 12) = धार्मिक सम्पूर्णता का बढ़ना
40 (4 × 10) = मानवीय स्तर पर सम्पूर्णता
42 (देखें 3½)
144 (12 × 12) = धार्मिक सम्पूर्णता की सम्पूर्णता
666 (देखें 6) = अपूर्णता, दुष्ट, छल और असफलता का बढ़ना
1,000 (10 × 10 × 10) = सम्पूर्णता की सम्पूर्णता की सम्पूर्णता
1,260 (देखें 3½)
1,600 (4 × 4 × 10 × 10) = मानवीय स्तर पर पूर्णता
7,000 (7 × 1,000) = सम्पूर्णता का बढ़ना
12,000 (12 × 1,000) = सम्पूर्णता का बढ़ना
1,44,000 (144 × 1,000) = सम्पूर्णता का बढ़ना
20,00,00,000 (2 × कई 10) = अजेय सामर्थ्य
1,00,00,00,000 और अधिक = असंख्य, मानवीय समझ से परे

रोम नगर

1. तिबरियुस और कलिगुला के महल

2. अगस्तुस का महल

3. पवित्र मार्ग

4. चौक

5. राजकीय सभागार

6. अगस्तुस का चौक

7. जूलियस का चौक

8. कन्कोर्ड का मन्दिर

9. रिफोर्ड कार्यालय

10. जुपिटर का मन्दिर

11. अग्निपा के हम्माम

12. कलौदियुस की मेहराब

13. स्मारक भवन

14. पोपे की रंगशाला

15. बलबुस की रंगशाला

16. मैक्सिमस चौक

17. डायना का मन्दिर



